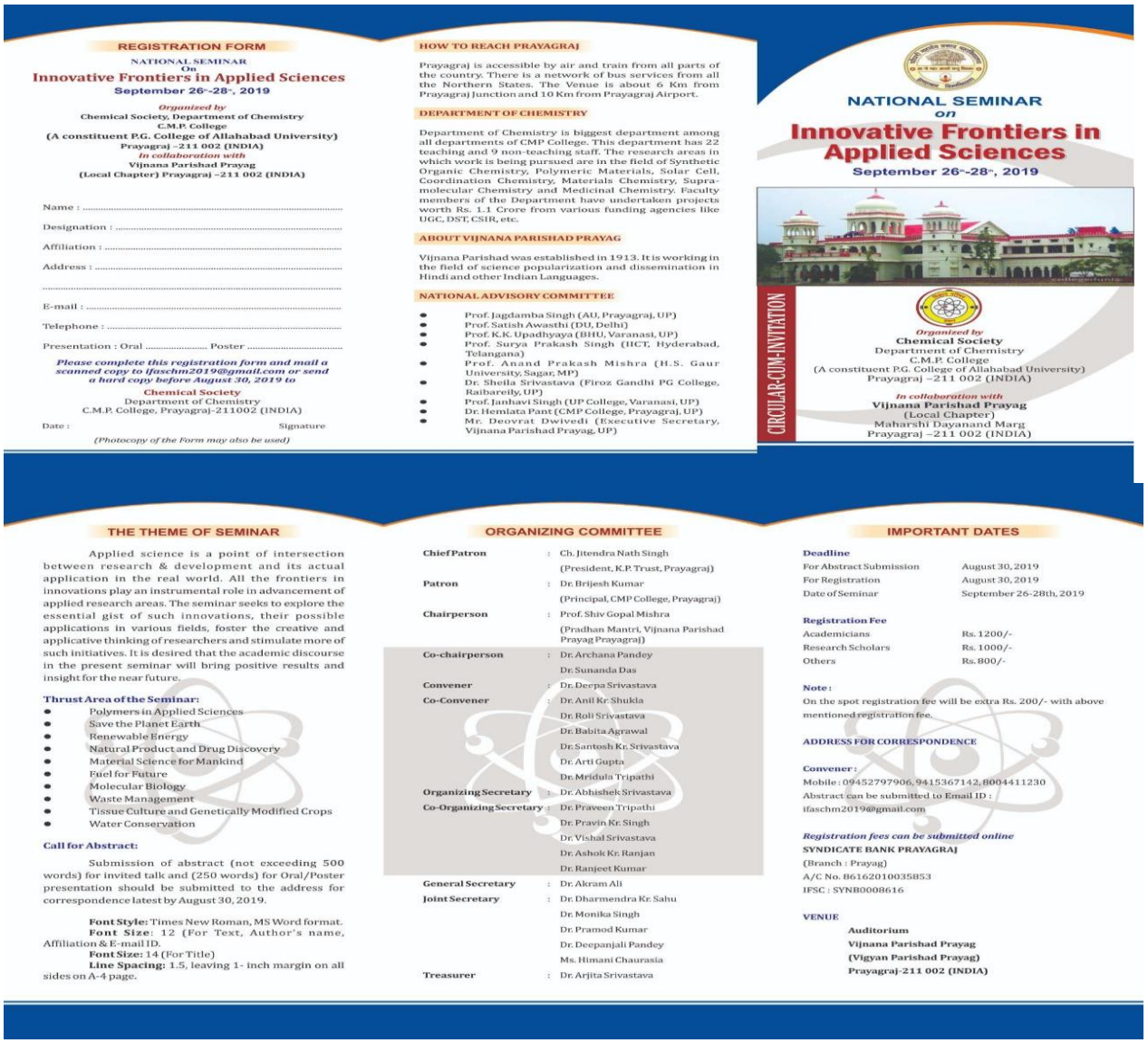

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

आज रसायन विज्ञान विभाग की केमिकल सोसायटी एवं विज्ञान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में "इनोवेटिव फ्रंटियर्स इन एप्लाइड सांइसेज" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रो.के.बी. पांडेय ने कहा कि मेडिशनल प्लांट के बारे में जब दुनिया जानती नहीं थी। उस समय हमारे यहां के ऋषियों मनीषियों ने आयुर्वेद में बहुत से पेड़ पौधों के औषधीय गुणों की खोज कर इलाज में प्रयोग कर रहे थे। उन्होंने कहा

कि एक पौधे के कितने औषधीय उपयोग हो सकते हैं इस पर गहन शोध की आवश्यकता है। आज के वैज्ञानिक जिस पौधे की मेडिशनल प्रापर्टी के बारे में बताते हैं कोई जड़ों पर कार्य करता है, कोई तने पर पर, कोई पत्तियों पर फिर भी पौधे के समस्त औषधीय गुणों के बारे हमें जानकारी नहीं मिल पाती है। नैनो पार्टिकल का उपयोग करते हुए कुछ लाभकारी कंपाउंड लोगों ने बनाया है। बेहतर होगा जो भी रिसर्च हम लेबोरेटरी में कर रहे हैं। उसको लेकर गांवों में जाएं किसानों को उससे कुछ लाभ हो जिससे उनका स्वाभिमान जगे, आत्मविश्वास जगे, नवयुवकों को रोजगार दे सकें तभी हमारे कार्य की उपयोगिता है। उन्होंने कहा हमारे रिसर्च का तभी कोई मतलब है जब देश व समाज के हित में उसका कोई योगदान हो।उन्होंने बताया कि अकेले नीम के अंदर लगभग 150 फाइटोकेमिकल्स निकाले जा चुके हैं जिसके अंदर एंटीबायोटिक, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीवायरल, ऐनालजेशिक,एंटीफंगल आदि औषधीय गुण विद्यमान हैं।

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए के पी.ट्रस्ट के अध्यक्ष चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह ने कहा कि आज पूरी दुनिया गलोबल वार्मिंग की समस्या से परेशान है। हर वर्ष आइसवर्ग के पिघलने से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है एक दिन दुनिया का ज्यादातर हिस्सा जलमग्न हो सकता है। आज जल संरक्षण की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एक भी बूंद जल कम नही हुआ है बल्कि जल चक्र गड़बड़ हुआ है। उसी को ठीक करने की जरूरत है, वृक्ष एवं जल एक दूसरे के पूरक हैं। जीवाश्म ईंधन भी हमारे पास सीमित मात्रा में हैं, उसके वैकल्पिक स्रोत पर हमें कार्य करना होगा। कालेज के प्राचार्य डा.ब्रजेश कुमार ने कहा कि भारतीय परंपरा पूरी तरह से वैज्ञानिक है हमारे ऋषि मनीषी वैज्ञानिक थे जिन्होंने धर्म एवं प्रवचनों के माध्यम से हमको बहुत सी ऐसी शिक्षा बहुत पहले दी हैं जिनको आज का विज्ञान अभी तक खोज नहीं सका है।

प्रो.कृष्णा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाइयां दी।केमिकल सोसाइटी के संस्थापक डॉ. अशोक रंजन सकसेना ने सोसाइटी के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि जो

कुछ हम लैबोरेटरी में करते हैं उसे समाज के बीच ले जाएं लोगों के साथ संवाद स्थापित करें।इस अवसर पर कालेज के रसायन विज्ञान विभाग की संयोजिका डॉ. अर्चना पांडेय की पुस्तक 'तन और मन का रसायन' का विमोचन मंचासीन अतिथियों ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. दीपा श्रीवास्तव ने किया। तीन दिन के कार्यक्रम की रिपोर्ट सचिव डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की तथा संचालन डॉ. आरती गुप्ता ने किया।

कार्यक्रम में वालिंटियर के रूप में सक्रिय रहे एम.एस.सी.के छात्रों को सम्मानित भी किया गया साथ ही विभाग के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. अर्चना पांडेय, डॉ. रोली श्रीवास्तव,डॉ. सुनंदा दास,डॉ. संतोष श्रीवास्तव, डॉ. आरती गुप्ता, डॉ. मृदुला त्रिपाठी,डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. प्रवीण त्रिपाठी, डॉ. विशाल, डॉ. मोनिका सिंह, डॉ. दीपांजलि पांडेय, डॉ. अकरम अली, डॉ. अर्जिता श्रीवास्तव, डॉ. अशोक रंजन, डॉ. रंजीत कुमार, मिस हिमानी चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

केमिकल सोसायटी एवं विज्ञान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में "इनोवेटिव फ्रंटियर्स इन एप्लाइड सांइसेज" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी